telling that we have given, we have given. Where is that money? You have given the money to big people. Your interests are well-known to everybody. This is the Government of Adani and Adani Government cannot be justful for the poor and for the nation. ...*(Time Bell rings)*...

MR. CHAIRMAN: Thank you.

(Ends)

MR. CHAIRMAN: Thank you, Mr. Viswam. The next speaker is Shrimati Vandana Chavan; not present. The next speaker is Dr. Ashok Kumar Mittal; you have four minutes.

डा. अशोक कुमार मित्तल (पंजाब) : माननीय सभापति महोदय, आपने मुझे फाइनेंस बिल पर बोलने की अनुमति दी, इसके लिए आपका धन्यवाद। सर, चर्चा में बहुत सारे सदस्यों ने बात की कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, जो appreciable है और हर भारतीय को इस पर गर्व है। मैं भारत सरकार और देश के हर नागरिक को इस बड़ी अचीवमेंट के लिए बधाई देना चाहूंगा। सर, कुछ ऐसे इश्यूज़ हैं, जो अभी तक unattended हैं। उनके ऊपर मैं भारत सरकार का थोड़ा सा ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा।

माननीय प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 3 जनवरी, 2019 को इंडियन साइंस कांग्रेस की अध्यक्षता करते हुए देश को एक नया नारा दिया। उन्होंने जय जवान, जय किसान, जय विज्ञान में जय अनुसंधान जोड़ा और मैं खुशकिस्मत हूं कि मैं उस नारे का

साक्षी हूं, क्योंकि वह Lovely Professional University के प्रांगण में दिया गया। हमारी माननीया वित्त मंत्री जी ने इस बजट में स्पीच के दौरान इस नारे को दोहराया और कहा कि हम साइंस एंड टेक्नोलॉजी में आगे गए हैं, जोकि सही है, लेकिन इस पर मेरा माननीया मंत्री जी से एक निवेदन है कि जो हम साइंस एंड टेक्नोलॉजी पर खर्चा कर रहे हैं, वह जीडीपी का सिर्फ 0.7 प्रतिशत है। इस स्मॉल खर्चे से हमने दुनिया में अपना कीर्तिमान स्थापित किया, चाहे वह चंद्रयान है। अगर इस पर थोड़ा सा खर्चा बढ़ा देंगे, तो शायद हम साइंस एंड टक्नोलॉजी में भी अनुसंधान के जरिए दुनिया की नम्बर वन कंट्री बन पाएं।

सर, कुछ और विषय हैं। हम ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस और ईज़ ऑफ लिविंग की बात करते हैं, लेकिन ग्लोबल रिमोट वर्क इंडेक्स की रैंकिंग में हम 164 देशों में से 108वें नम्बर पर हैं। सर, हम 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन देने और 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की बात करते हैं। ग्लोबल हंगर इंडेक्स में हम 125 देशों में से 111वें नम्बर पर हैं। सर, हम युवा शक्ति और demographic dividend की बात करते हैं।

श्री सभापति : मित्तल साहब, यह ग्लोबल हंगर इंडेक्स कौन तैयार करता है, इसकी क्या authenticity है, क्या credibility है, वे क्या calibration करते हैं, इसके बारे में हमें कुछ सोचना पड़ेगा। मैं पहले भी कह चुका हूं, in this House, we cannot generate an eco system taking cue from any report. Anyone in any part of the globe can calibrate us; we are not subject to calibration by anyone and everybody.

We have to look at our home. We know the situation about hunger. Just see the position which has been reflected; please go ahead.

डा. अशोक कुमार मित्तल : जी, सर। हम खुशहाल किसान की बात करते हैं, लेकिन नेशनल सेम्पल सर्वे के हिसाब से 50 प्रतिशत एग्री होल्ड्स पर कर्जा है और एवरेज कर्जा 74,000 रुपये का है।

सर, हम आत्मनिर्भर भारत की बात करते हैं, लेकिन चीन से हमारा इम्पोर्ट 14 प्रतिशत तक बढ़ गया है, जबकि चीन के एन्चॉय ने भी कल यह बात कही है।

सर, हम बात करते हैं कि टैक्स भरने वालों की संख्या 7 करोड़ से ऊपर हो गई है, लेकिन हमारा tax to GDP ratio अभी भी सिर्फ 6.11 परसेंट है, जो कि ओईसीडी कंट्रीज़ के औसत 34 प्रतिशत से भी बहुत नीचे है। सर, हम रिकॉर्ड एफडीआई की बात करते हैं, जो कि प्रशंसनीय है, लेकिन हमारा एक्सटर्नल डेब्ट पिछले 10 वर्षों में तीन गुना बढ़ा है। यह वर्ष 2014 में जहाँ 55 लाख करोड़ था, वह अब 183 लाख करोड़ हो गया है। सर, हम "सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास" की बात करते हैं, लेकिन हमारी इकोनॉमी की जो ग्रोथ है, वह के-शेप्ड है, जिसमें सिर्फ 5 प्रतिशत वेल्दिएस्ट लोगों के पास 60 प्रतिशत वेल्थ है। सर, हम 'आयुष्मान भारत' की बात करते हैं, लेकिन हमारा स्वास्थ्य बजट सिर्फ 94 लाख करोड़ है, जो जीडीपी का सिर्फ 1.6 परसेंट है। सर, हम लोग एयरपोर्ट्स की बात करते हैं, जो हमने खूब बनाए हैं, लेकिन ऑपरेशनल एयरपोर्ट्स कितने हैं और उसकी परिभाषा क्या है, यह अभी तक हमें समझ में नहीं आया है। हमारे जालंधर में आदमपुर एयरपोर्ट 'ऑपरेशनल' की

कैटेगरी में आता है, लेकिन वहाँ से तीन साल से कोई उड़ान नहीं भरी गई है। सर, इन सब बातों के बावजूद मैं निराश नहीं हूँ। मुझे मालूम है कि हम सबको मिल कर काम करना है, भारत को एक सुपर पावर बनाना है और विश्व गुरु बनाना है। ...(**समय की घंटी**)... आने वाली सरकार, चाहे वह किसी भी पार्टी की हो, उससे मुझे उम्मीद है कि वह इन सभी समस्याओं को हल करेगी।

सर, अंत में मैं भारतीय अर्थव्यवस्था के उन चार स्तंभों का जिक्र करना चाहूँगा, जिनके बारे में माननीय वित्त मंत्री जी ने भी कहा है। मैं गरीब आदमी, किसान, युवा और महिलाओं के बुलंद हौसलों को सलाम करता हूँ और उनकी तरफ से इन पंक्तियों से अपनी बात समाप्त करता हूँः

"मेरे सपनों की उड़ान आसमां तक है,
मुझे बनानी अपनी पहचान आसमां तक है,
कैसे हार मान लूँ और मैं थक कर बैठ जाऊँ,
मेरे हौसलों की बुलंदी आसमां तक है।"

धन्यवाद, सर।

(समाप्त)

(4E/AKG पर आगे)

Pp. 251 onwards will be issued as supplement.